उद्देश्य - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को ताल पद्धति, एकल वादन, संगत का विस्तृत ज्ञान देना और संगीत ग्रन्थों व संगीतज्ञों के जीवन से अवगत कराना है।

द्वितीय सेमेस्टर

क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
4	तालों का अध्ययन II	एम0पी0ए0एम0टी0 - 506	100	2
	इकाई 1 - एकल वादन एवं शास्त्रीय गायन के साथ संगत।			
	इकाई 2 - ठुमरी, दादरा, गजल व कुमाउँनी होली के साथ संगत।			
	इकाई 3 - स्वर वाद्य एवं नृत्य के साथ संगत।			
	इकाई 4 - संगीत के प्रसिद्ध ग्रन्थों (नाट्यशास्त्र, बृहद्देशी, स्वरमेलकलानिधि व संगीत दर्पण) का अध्ययन।			
	इकाई 5 - संगीत संबंधी विषयों पर निबंध लेखन।			
	इकाई 6 - तालों का परिचय एवं लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7 - तबले की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 8 - पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों को लयकारी(दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ व बिआड़) सहित लिपिबद्ध करना।			

नोट - विद्यार्थी द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए तालों के अनुरूप अध्ययन करें।

द्वितीय सेमेस्टर

विस्तृत ताल - एकताल व 9 मात्रा की ताल *अविस्तृत ताल - विष्णु ताल, शिखर ताल, ब्रहम ताल व दादरा।*

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0।

2. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल परिचय (सभी भाग),संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल प्रभाकर प्रश्नोत्तरी, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. श्री मधुकर गणेश गोडबोले,तबला शास्त्र, अशोक प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद।

5. डॉ0 आबान ई0 मिस्त्री, तबले की बन्दिशे, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. डॉ0 अरूण कुमार सेन, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।